International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 14 Issue 04, April 2024,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

गुना की संस्कृति में पिछले 10 वर्षों में आए परिवर्तन

वरुण कुमार सिंह, शोधार्थी
उच्च माध्यमिक शिक्षक ,समाजशास्त्र एवं शोधार्थी
बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय समाजशास्त्र एवं समाज कार्य विभाग भोपाल।

प्रोफेसर डॉक्टर शैलजा दुबे, शोध निर्देशिका
समाजशास्त्र एवं समाज कार्य विभाग प्रमुख
उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान भोपाल मध्य प्रदेश

सारांश -

मालवा का प्रवेश द्वार,टेकरी सरकार की पवित्र धरा पर स्थित गुना, मध्य प्रदेश का एक प्रमुख जिला, अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और अद्वितीय परंपराओं के लिए प्रसिद्ध है। यह क्षेत्र अपनी परंपरागत सभ्यता, धार्मिकता और सांस्कृतिक विविधता के लिए जाना जाता है। हालांकि, पिछले 10 वर्षों में, आधुनिकता, शहरीकरण और तकनीकी प्रगति के कारण यहां की संस्कृति में अनेक परिवर्तन देखने को मिलते हैं। यह परिवर्तन न केवल सामाजिक बल्कि आर्थिक , राजनैतिक शैक्षणिक, सांस्कृतिक आदि स्तर पर महसूस किए गए हैं, बल्कि स्थानीय जीवनशैली, परंपराओं, त्योहारों और कला-संस्कृति पर भी व्यापक प्रभाव देखा जा सकता है। इस लेख में, हम गुना की संस्कृति में पिछले एक दशक में हुए प्रमुख परिवर्तनों का वि श्लेषण करेंगे।

मुख्य शब्द - संस्कृति, धर्म,जीवन शैली, परिवर्तन,परंपरा आदि।

उद्देश्य -

1 **गुना की संस्कृति में पिछले 10 वर्षों में आए विभिन्न परिवर्तनों को समझना और देखना।**

2 **गुना की संस्कृति में आए परिवर्तनों के आधार पर विभिन्न रोजगार , व्यवसाय और लोगों की जीवन में आए सकारात्मक परिवर्तन को देखना।**

3 **संस्कृति में आए परिवर्तन के आधार पर सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक ,शैक्षणिक क्षेत्र में आए परिवर्तन को देखना और समझना साथ ही पिछली 10 वर्ष पहले की संस्कृति से तुलना करना अर्थात् अंतर समझना।**

4 **संस्कृति में आए परिवर्तन के आधार पर विभिन्न नए अवसर और संभावनाओं को तलाशना जिससे आगे के भविष्य की संभावनाओं के आधार पर नई योजनाओं और कार्यक्रमों को लागू किया जा सके।**

अध्ययन विधि - साक्षात्कार और अवलोकन विधि का उपयोग किया।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 14 Issue 04, April 2024,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

संस्कृति में आए प्रमुख परिवर्तन-

1. *आधुनिकता और पारंपरिक जीवनशैली में टकराव*

पिछले 10 वर्षों में गुना में शहरीकरण और आधुनिकता का प्रभाव तेजी से बढ़ा है। जहां पहले लोग पारंपरिक परिधानों जैसे धोती, साड़ी और कुर्ता पहनना पसंद करते थे, वहीं अब युवा वर्ग आधुनिक परिधानों जैसे जींस, टी-शर्ट और पश्चिमी वेशभूषा ,प्लाजो , लोवर आदि की ओर आकर्षित हो रहा है। यह बदलाव मुख्य रूप से इंटरनेट और मीडिया की बढ़ती पहुंच के कारण और अधिक हुआ है।

पारंपरिक रीति-रिवाज और धार्मिक गतिविधियां अब भी मौजूद हैं, लेकिन इनमें आधुनिकता का समावेश हुआ है। उदाहरण के लिए, पहले शादी-विवाह जैसे कार्यक्रम पूरी तरह से पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार होते थे, लेकिन अब वे बड़े-बड़े वेडिंग इवेंट्स में तब्दील हो गए हैं, जिनमें आधुनिक संगीत, डीजे और बॉलीवुड शैली के कार्यक्रम शामिल होते हैं जैसे डेस्टिनेशन वैडिंग की संस्कृति विकसित हुई है,साथ ही प्री वेडिंग का कल्चर तेजी से बढ़ रहा है जो अधिक खर्चीला होता जा रहा है। इसके लिए गोपीसागर डैम, बजरंगढ़ किले में स्थित स्थान, चांचौड़ा का किला ,हनुमान टेकरी,बमौरी का केदारनाथ आदि प्रसिद्ध स्थल प्री वेडिंग के लिए मशहूर हैं।

2. *त्योहारों के आयोजन में बदलाव*

गुना के लोग दशहरा, दिवाली, होली और गणेश चतुर्थी जैसे त्योहार बड़े उत्साह के साथ मनाते हैं। पिछले एक दशक में इन त्योहारों के आयोजन में भी काफी बदलाव आए हैं। पहले त्योहार पारिवारिक और स्थानीय स्तर पर मनाए जाते थे, लेकिन अब इनका स्वरूप सामुदायिक और व्यावसायिक हो गया है। घरों को बेहतरीन तरीके से सुसज्जित किया जाता है।

पिछले 10 वर्षों में, गणेश उत्सव और नवरात्रि जैसे त्योहारों में डीजे और लाइट शो का समावेश हो गया है,साथ ही होटलों में गरबे का आयोजन बड़े ही धूम धाम से मनाया जाता है इसके साथ ही बॉलीवुड कलाकारों को बुलाया जाता है।स्थानीय कलाकारों की जगह अब बाहरी डांस ग्रुप्स और प्रोफेशनल परफॉर्मर्स को प्राथमिकता दी जाती है। विशेषकर इंदौर से पार्टी बुलाई जाती हैं।इस आधुनिकता ने पारंपरिक सांस्कृतिक तत्वों को कमजोर कर दिया है, लेकिन साथ ही इन आयोजनों को भव्य और आकर्षक बना दिया है। ये कार्यक्रम काफी महंगे होते हैं।

3. *भाषा और साहित्य पर प्रभाव*

गुना में बोली जाने वाली प्रमुख भाषाएं हिंदी,मालवी और बुंदेली हैं साथ ही राजस्थान से जुड़े गुना के क्षेत्र में राजस्थानी भाषा को भी सुना जा सकता है। पिछले 10 वर्षों में, तकनीकी प्रगति और शहरीकरण के कारण स्थानीय बोलियों पर असर पड़ा है। युवा वर्ग अब हिंदी के साथ-साथ अंग्रेजी बोलने की ओर भी प्रवृत्त हो रहा है। सोशल मीडिया और इंटरनेट के बढ़ते

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 14 Issue 04, April 2024,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

उपयोग ने इस प्रवृत्ति को और मजबूत किया है। साथ ही इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स भी चलाए जा रहे हैं।

स्थानीय साहित्य और कविता का स्थान धीरे-धीरे आधुनिक लेखन और डिजिटल कंटेंट ने ले लिया है। पहले जहां बुंदेली कविताओं और लोककथाओं का महत्व था, वहीं अब लोग ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध कविताओं और लेखों को अधिक पसंद करते हैं।

4. *खानपान में बदलाव*

गुना की परंपरागत थाली में दाल, बाटी, चूरमा, कचौड़ी और स्थानीय मिठाइयों का प्रमुख स्थान था। हालांकि, पिछले एक दशक में, यहां के खानपान में भी बड़े बदलाव हुए हैं। अब गुना में फास्ट फूड, चाइनीज व्यंजन और पश्चिमी भोजन की लोकप्रियता बढ़ी है।

युवाओं में बर्गर, पिज्जा, और नूडल्स जैसे खाद्य पदार्थों की मांग तेजी से बढ़ रही है। अभी हाल ही में डिमोज का पिज़्ज़ा स्टोर खुला है साथ ही कई ब्रांडेड कंपनियों के बर्गर प्वाइंट और पिज्जा स्टोर खोले गए हैं। चाईनीज फूड का काफी बोलबाला है।हालांकि, पारंपरिक व्यंजन अब भी त्योहारों और विशेष अवसरों पर बनाए जाते हैं, लेकिन उनका महत्व धीरे-धीरे कम हो रहा है।

5. *लोक कला और शिल्प का ह्रास*

गुना की लोक कला और शिल्प, जैसे मिट्टी के बर्तन, लकड़ी का काम और पारंपरिक चित्रकला, समय के साथ कमजोर हो रहे हैं। इन कलाओं को संरक्षित करने के लिए सरकारी और गैर-सरकारी प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन आधुनिकता के प्रभाव के कारण इनकी मांग में कमी आई है। साथ ही चाइनीज आइटम की मांग तेजी से बढ़ रही है ।

हालांकि, पर्यटन के बढ़ते महत्व के कारण स्थानीय हस्तशिल्प को बढ़ावा देने की कोशिश की जा रही है। साथ ही, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स ने इन कलाओं को नई पहचान दिलाने का प्रयास किया है।

6. *शिक्षा और तकनीकी प्रगति का प्रभाव*

पिछले 10 वर्षों में शिक्षा और तकनीकी प्रगति ने गुना की संस्कृति पर गहरा प्रभाव डाला है। पहले जहां शिक्षा का उद्देश्य केवल पारंपरिक ज्ञान अर्जित करना था, वहीं अब तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। जैसे जेपी कॉलेज राघौगढ़ में इंजीनियरिंग की पढ़ाई और कई अन्य कोर्सेज चल रहे है साथ ही ओमकार कॉलेज में नर्सिंग कोर्सेज, साक्षी कॉलेज म्याना में नर्सिंग कोर्सेज आदि चल रहे हैं जो युवाओं को सही दिशा देने में सफल हुए है। साथ ही फुटवीयर डिजाइन इंस्टीट्यूट ने रोजगार के नए अवसर सृजित किए हैं।

ऑनलाइन शिक्षा और डिजिटल लर्निंग के माध्यम से युवा वर्ग नई तकनीकों और आधुनिक विचारधारा से जुड़ रहा है। यह परिवर्तन संस्कृति को आधुनिक बनाने में सहायक है, लेकिन साथ ही यह परंपरागत मूल्यों को कमजोर कर रहा है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 14 Issue 04, April 2024,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

7. *सामाजिक संरचना में बदलाव*

पिछले एक दशक में गुना की सामाजिक संरचना में भी व्यापक बदलाव हुए हैं। संयुक्त परिवारों की परंपरा धीरे-धीरे खत्म हो रही है और एकल परिवारों का प्रचलन बढ़ रहा है। सामाजिक रिश्ते और पारिवारिक बंधन कमजोर हो रहे हैं। हालांकि ग्रामीण क्षेत्र में संयुक्त परिवार आसानी से देख सकते हैं।

इसके अलावा, महिलाओं की शिक्षा और रोजगार में बढ़ोतरी ने उनके सामाजिक और सांस्कृतिक स्थिति को सशक्त बनाया है। हालांकि, इस बदलाव के साथ पारंपरिक भूमिकाओं और मूल्यों में भी परिवर्तन हुआ है।

8. *धार्मिक और आध्यात्मिक बदलाव*

गुना की संस्कृति में धर्म और आध्यात्मिकता का गहरा प्रभाव है। पिछले 10 वर्षों में, धार्मिक गतिविधियों में तकनीकी और डिजिटल उपकरणों का उपयोग बढ़ा है। अब लोग धार्मिक प्रवचनों और भजन-कीर्तन को ऑनलाइन सुनना पसंद करते हैं।

साथ ही, धार्मिक आयोजनों में सजावट, भव्यता और तकनीकी साधनों का अधिक उपयोग हो रहा है। हालांकि, इसने धार्मिकता को अधिक आकर्षक बनाया है, लेकिन पारंपरिक आध्यात्मिक अनुभव कहीं न कहीं कम हो गया है। गुना के टेकरी मंदिर और कैंट के पंचमुखी हनुमान मंदिर,चाचौड़ा का बाघ बागेश्वर का मंदिर,और बमौरी क्षेत्र का निहाल देवी मंदिर पर इसका आनंद लेते भक्तगढ़ को आसानी से देख सकते हैं।

9. *पर्यावरण और सांस्कृतिक परिवर्तन*

शहरीकरण और औद्योगिकीकरण के कारण गुना में पर्यावरणीय असंतुलन भी देखा गया है। वृक्षों की कटाई और हरित क्षेत्रों में कमी ने स्थानीय पारंपरिक जीवनशैली को प्रभावित किया है। इसके अलावा, प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों की कमी ने कृषि पर निर्भर लोगों की जीवनशैली को भी बदला है। राष्ट्रीय राजमार्ग के बनने के कारण पेड़ पौधो की अंधाधुंध कटाई हुई है जिसका प्रभाव पर्यावरण पर देखा जा सकता है।

निष्कर्ष

पिछले 10 वर्षों में गुना की संस्कृति में आए परिवर्तन आधुनिकता और पारंपरिकता के मेल को दर्शाते हैं। जहां एक ओर शहरीकरण और तकनीकी प्रगति ने नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं, वहीं दूसरी ओर इसने पारंपरिक मूल्यों और सांस्कृतिक विरासत को कमजोर कर दिया है।

आवश्यक है कि हम इस बदलती संस्कृति को संतुलित दृष्टिकोण से देखें और पारंपरिक विरासत को भी संरक्षित करने के साथ-साथ आधुनिकता को भी अपनाएं। यह संतुलन ही गुना की समृद्ध और अद्वितीय संस्कृति को आने वाले समय में संरक्षित रख सकेगा।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 14 Issue 04, April 2024,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

संदर्भ सूची -

1 **मध्य प्रदेश जनसंपर्क विभाग की वेबसाइट**

2 **रोजगार निर्माण मध्य प्रदेश शासन।**

3 **मध्य प्रदेश सामान्य अध्ययन** TMH **पब्लिकेशन।**

4 **ज्ञान संपदा मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी ।**

5 **मध्य प्रदेश के प्रमुख समाचार पत्र, पत्रिकाएं ।**

6 **गुना** NIC **की बेवसाइट।**